पीएम श्री केवी वायु सेना स्थल राजोकरी

कला एवं शिल्प

केंद्रीय विद्यालय में कला एवं शिल्प

केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विद्यालयों में कला एवं शिल्प को शिक्षा के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में शामिल किया गया है। कला एवं शिल्प की शिक्षा छात्रों के समग्र विकास में सहायक होती है और उनके रचनात्मकता, सौंदर्यबोध, और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देती है। यहां केंद्रीय विद्यालयों में कला एवं शिल्प से संबंधित कुछ प्रमुख बिंदु दिए गए हैं:

1. पाठ्यक्रम में समावेश

कला एवं शिल्प को प्राथमिक से लेकर उच्चतर कक्षाओं तक के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। इसमें निम्नलिखित तत्व शामिल होते हैं:

- **चित्रकला:** विभिन्न प्रकार की चित्रकला जैसे कि पेंसिल स्केचिंग, वॉटर कलर पेंटिंग, पोस्टर पेंटिंग आदि।
- **शिल्पकला:** पेपर क्राफ्ट, पॉटरी, मूर्तिकला, बुनाई और अन्य हाथ से बनाए जाने वाले शिल्प।
- **कला इतिहास और सौंदर्यशास्त्र:** छात्रों को भारतीय और विश्व कला के इतिहास और सौंदर्यशास्त्र के बारे में जानकारी दी जाती है।

2. विशेष कार्यक्रम और कार्यशालाएं

केंद्रीय विद्यालयों में समय-समय पर कला एवं शिल्प की विशेष कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यशालाओं में विभिन्न कलाकारों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है ताकि छात्रों को नए-नए शिल्प और तकनीकों की जानकारी मिल सके।

3. प्रतियोगिताएं और प्रदर्शनियाँ

कला एवं शिल्प में रुचि बढ़ाने के लिए विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसमें पेंटिंग प्रतियोगिता, क्राफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता, और कला प्रदर्शनी शामिल होती हैं। ये प्रतियोगिताएं छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

4. सह-शैक्षिक गतिविधियाँ

कला एवं शिल्प को सह-शैक्षिक गतिविधियों के रूप में भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों, और राष्ट्रीय समारोहों के दौरान कला और शिल्प का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

5. शिक्षक और संसाधन

केंद्रीय विद्यालयों में कला एवं शिल्प की शिक्षा के लिए प्रशिक्षित और अनुभवी शिक्षक होते हैं। साथ ही, छात्रों को आवश्यक सामग्री और संसाधन भी प्रदान किए जाते हैं ताकि वे अपने रचनात्मक विचारों को साकार कर सकें।

6. कैरियर मार्गदर्शन

कला एवं शिल्प में रुचि रखने वाले छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। इससे वे कला और शिल्प के क्षेत्र में अपने भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्रीय विद्यालयों में कला एवं शिल्प की शिक्षा छात्रों को न केवल एक रचनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है बल्कि उन्हें सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व बनने में भी मदद करती है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय
वायु सेना स्थल रजोकरी, नई दिल्ली-110038
M SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
Air Force Station Rajokri, New Delhi-110038
BY ANURADHA
(SCULPTOR)